राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 ■ अंक 33 ■ मुंबई : बुधवार 24 जून 2026 से 30 जून 2026 ■ संपादक : फैसल शेख ■ पृष्ठ : 8 ■ कीमत : 03 रुपये

महाराष्ट्र में जल्द लागू होगी समान नागरिक संहिता !

UCC पर विधानसभा में फडणवीस सरकार का बड़ा ऐलान...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान समान नागरिक संहिता को लेकर महाराष्ट्र सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। सरकार ने स्पष्ट किया कि वह राज्य में यूसीसी लागू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस संवेदनशील मुद्दे पर सदन में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिला।

तीन तलाक और मुस्लिम महिलाओं के अधिकार पर हंगामा

विधानसभा में भाजपा विधायक देवयानी फरांदे ने तीन तलाक और मुस्लिम महिलाओं को होने वाली प्रताड़ना का मुद्दा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जरिए उठाया। फरांदे ने दावा किया कि बीते डेढ़ महीने में तीन पीड़ित मुस्लिम महिलाएं न्याय की गुहार लेकर उनके पास पहुंची थीं। उन्होंने सदन को बताया कि पुलिस

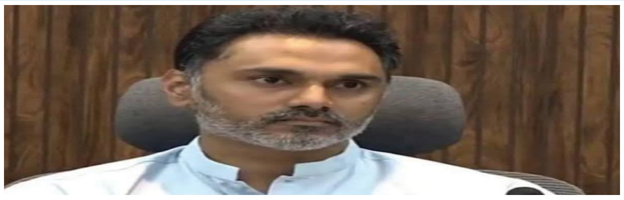

ने आरोपियों पर केस तो दर्ज कर लिया है, लेकिन पीड़ित महिलाओं को अब तक वास्तविक न्याय नहीं मिला है। विधायक देवयानी फरांदे ने एक गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि एक पीड़िता को अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी जा रही है, वहीं दूसरी महिला पर उसके पति ने जानलेवा हमला करने की कोशिश की।

यूसीसी का मसौदा तैयार करने विशेष समिति का गठन

भाजपा विधायक द्वारा उठाए गए इस गंभीर मुद्दे का जवाब देते हुए महाराष्ट्र के गृह राज्यमंत्री योगेश कदम ने महायुति सरकार का रुख साफ किया। उन्होंने सदन को भरोसा दिलाते हुए कहा राज्य सरकार समान नागरिक संहिता विधेयक को लेकर 100 प्रतिशत सकारात्मक है। इसके कानूनी मसौदे को तैयार करने के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अगुवाई में एक विशेष समिति का गठन पहले ही किया जा चुका है और यह कमेटी वर्तमान में तेजी से काम कर रही है। जब सदन में तीन तलाक और बहुविवाह जैसे मुद्दों पर तीखी बहस चल रही थी, तभी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) की विधायक सना मलिक ने सरकार के दावों पर सवाल उठाए।

ड्रग्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 20.760 किलो गांजा जब्त, दो गिरफ्तार

भिवंडी : भिवंडी में मादक द्रव्य के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शांति नगर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने शहर के एक पॉश आवासीय परिसर में स्थित फ्लैट पर छापा मारकर भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। इस कार्रवाई में कुल 20.760 किलोग्राम कैनबिस (गांजा) जब्त किया गया, जिसे दो सूटकेस में छिपाकर रखा गया था। जब्त किए गए इस मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 6.32 लाख रुपये बताई जा रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक महिला और उसके पुरुष साथी

को मौके से गिरफ्तार किया। दोनों पर आरोप है कि वे इस प्रतिबंधित पदार्थ को अवैध रूप से स्टॉक कर उसकी बिक्री की योजना बना रहे थे। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां अवकाश अदालत ने उन्हें 24 जून तक पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया। शांति नगर पुलिस स्टेशन की टीम द्वारा इस कार्रवाई को एक बड़े मादक पदार्थ विरोधी अभियान का हिस्सा बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, यह ऑपरेशन एक भरोसेमंद इन्फॉर्मर से मिली सूचना के आधार पर शनिवार को शुरू किया गया था। सूचना में बताया गया कि अरिहंत कॉम्प्लेक्स के टेमघर पाड़ा इलाके में स्थित कल्याण रोड पर एक फ्लैट में बड़ी मात्रा में गांजा रखा गया है, जिसके आगे वितरण की तैयारी चल रही थी।सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया और बताए गए स्थान पर छापेमारी की। यह फ्लैट चौथी मंजिल पर स्थित था, जहां पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए दबिश दी।

आरटीआई बदलाव पर अन्ना हजारे की भूख हड़ताल की चेतावनी !

मुंबई : सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा सूचना का अधिकार नियमों में किए गए संशोधनों के खिलाफ कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने इन कथित ''गैर-कानूनी'' बदलावों को तुरंत वापस नहीं लिया, तो वे 5 जुलाई से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करेंगे। अन्ना हजारे ने दावा किया है कि 12 जून को किए गए संशोधन सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की मूल भावना के खिलाफ हैं और इनसे प्रशासनिक पारदर्शिता पर नकारात्मक असर पड़ेगा। उनके

अनुसार, इन बदलावों के कारण आम नागरिकों के लिए जानकारी प्राप्त करना और अधिक कठिन हो जाएगा।

इस मुद्दे को लेकर हजारे ने सोमवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक विस्तृत पत्र भी लिखा है। इस पत्र में उन्होंने कहा है कि नए ''महाराष्ट्र सूचना का अधिकार नियम, 2026'' से आरटीआई कानून की प्रभावशीलता कमजोर पड़ जाएगी और यह नागरिकों के अधिकारों को सीमित करेगा। हजारे ने विशेष रूप से आरटीआई आवेदन शुल्क में की गई बढ़ोतरी पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इस बढ़ोतरी के पीछे कोई ठोस कारण या आर्थिक विश्लेषण सार्वजनिक नहीं किया गया है, जिससे यह निर्णय सवालों के घेरे में आ गया है। अपने पत्र में उन्होंने यह भी लिखा कि आरटीआई कोई आय अर्जित करने वाला कानून नहीं है, बल्कि यह जनता को पारदर्शिता और जवाबदेही दिलाने का माध्यम है।

मुंबई में जल संकट पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका घिरी, सभी दलों ने तत्काल आपात योजना की मांग की

मुंबई : मुंबई में पानी के बिगड़ते संकट को लेकर नगर निगम की बैठक में लंबी और तीखी बहस हुई। इस दौरान सभी राजनीतिक दलों के पार्षदों ने घटते जल-स्तर पर चिंता जताते हुए बृहन्मुंबई महानगरपालिका प्रशासन को घेरा और तुरंत आपातकालीन योजना तैयार करने की मांग की। पार्षदों ने कहा कि अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में शहर में पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है।

बैठक में यह भी स्वीकार किया गया कि आने वाले तीन दिनों में बारिश का अनुमान है, लेकिन मुंबई की पानी की सुरक्षा पूरी तरह मॉनसून की तीव्रता पर निर्भर है। प्रशासन ने माना कि जून में हुई बारिश की कमी को पूरा करने के लिए जुलाई में अच्छी और लगातार बारिश होना बेहद जरूरी है, तभी जल भंडार की स्थिति सुधर पाएगी। सदन की बहस की शुरूआत सदन के नेता गणेश खनकर ने की। उन्होंने मुंबई के जल भंडार की मौजूदा स्थिति को बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि शहर को पानी आपूर्ति करने वाली सात झीलों में 22 जून तक केवल 8.5 प्रतिशत उपयोग योग्य पानी ही बचा था। इस आंकड़े ने पूरे सदन में चिंता का माहौल पैदा कर दिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने कई आपातकालीन कदम उठाने की जानकारी दी। प्रशासन ने बताया कि क्लाउड सीडिंग की प्रक्रिया पर काम किया जा रहा है, ताकि कृत्रिम वर्षा के माध्यम से जलस्तर को बढ़ाने की कोशिश की जा सके।

नालों की सफाई पर ₹164 करोड़ खर्च, फिर भी जलभराव की समस्या जारी...

पुणे : मॉनसून से पहले नालियों की सफाई और डीसिल्टिंग पर भारी खर्च के बावजूद जलभराव की समस्या बनी हुई है, जिससे नगर निगम के कामकाज और उसकी गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। पिछले छह सालों में इस काम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद शहर के कई हिस्सों में बारिश के दौरान पानी भरने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पुणे नगर निगम द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पिछले छह सालों में मॉनसून से पहले नालियों की सफाई और मानसून चैंबर से गाद निकालने (डीसिल्टिंग) पर लगभग ₹164 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसके बावजूद भारी बारिश के समय शहर के कई इलाकों में नालियों के जाम होने और सड़कों पर पानी भरने की समस्या जस की तस बनी हुई है। यह मामला तब सामने आया जब पीएमसी की जनरल बॉडी बुला में एक सवाल के जवाब में सिविक प्रशासन ने लिखित जानकारी दी।

मुंबई में मॉनसून से पहले तेज बारिश, आईएमडी ने जारी की ऑरेंज वॉर्निंग

मुंबई: मुंबई में मौसम ने अचानक करवट ली और मॉनसून से पहले ही शहर के कई हिस्सों में जोरदार बारिश दर्ज की गई। सुबह के समय शुरू हुई बारिश कुछ ही देर में तेज हो गई, जिससे मुंबई के अलग-अलग इलाकों में सामान्य जनजीवन प्रभावित हो गया। कई जगहों पर तेज बारिश के साथ आंधी और बिजली कड़कने की घटनाएं भी देखी गईं। अचानक हुई इस बारिश से लोगों को दफ्तर और अन्य कामों के लिए निकलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

शहर के कई हिस्सों में सड़कें गीली और फिसलन भरी हो गईं। कुछ निचले इलाकों में पानी भरने की स्थिति भी देखने को मिली, जिससे पैदल यात्रियों और वाहन चालकों को परेशानी हुई। सुबह के व्यस्त समय में बारिश होने के कारण ट्रैफिक की रफ्तार भी धीमी पड़ गई और कई जगहों पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। स्थानीय लोगों के अनुसार, बारिश अचानक तेज हुई, जिससे लोग बिना तैयारी के बाहर निकलने पर मजबूर हो गए। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मुंबई के लिए 'ऑरेंज वॉर्निंग' जारी की है। विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ घंटों में शहर में बारिश की तीव्रता और बढ़ सकती है। इसके

साथ ही तेज हवाएं चलने और गरज-चमक के साथ बारिश जारी रहने का अनुमान भी जताया गया है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

आईएमडी के अनुसार, मौसम की यह स्थिति अस्थायी नहीं मानी जा रही है और दिनभर रुक-रुक कर बारिश के दौर जारी रह सकते हैं। समुद्री हवाओं की सक्रियता बढ़ने के कारण तटीय इलाकों में भी असर देखने की संभावना है। विभाग ने यह भी कहा है कि बिजली कड़कने और तेज हवाओं के दौरान खुले स्थानों से बचना चाहिए और सुरक्षित स्थानों पर रहना बेहतर होगा। बारिश के चलते शहर प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग भी अलर्ट पर है। जिन क्षेत्रों में जलभराव की शिकायतें मिली हैं, वहां पानी निकालने के लिए टीमें लगाई गई हैं। नगर निगम के कर्मचारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और प्रभावित इलाकों में राहत कार्य जारी है। ट्रैफिक पुलिस भी प्रमुख सड़कों पर तैनात है ताकि यातायात व्यवस्था को नियंत्रित किया जा सके और जाम की स्थिति को कम किया जा सके।

मौसम विभाग ने मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी है, क्योंकि समुद्र में हवाओं की गति बढ़ने की संभावना जताई गई है। इसके अलावा, लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने और मौसम अपडेट पर ध्यान देने की अपील की गई है। खासकर स्कूल, ऑफिस और बाजार जाने वाले लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। कुल मिलाकर, मुंबई में मॉनसून से पहले हुई इस तेज बारिश ने एक बार फिर शहर की तैयारियों की परीक्षा ले ली है। अगले कुछ घंटों में मौसम कैसा रहेगा, इस पर सभी की नजर बनी हुई है और प्रशासन स्थिति पर लगातार निगरानी रखे हुए है।

फुटपाथ पर हमला, 7 आरोपी हिरासत में: अलग सड़क हादसे में 2 की मौत!

मुंबई: चेंबूर इलाके में फुटपाथ पर खड़े दो लोगों पर कुछ असामाजिक तत्वों ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए नाबालिग सहित कुल 7 आरोपियों को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना अमर नगर इलाके में अंबिका हार्डवेयर के सामने रात करीब 12:15 बजे हुई। यहां फुटपाथ पर खड़े सचिन खडतरे (43) और फिरोज उर्फ राजू खान (54) पर अचानक से कुछ लोगों ने हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की जानकारी मिलते ही गोवंडी पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 118(1), 109, 189(2), 189(3), 189(4), 190, 191(2), 191(3) और 61(2) के तहत केस दर्ज किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच के लिए 7 विशेष टीमें गठित कीं। तकनीकी सर्विलांस, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान की गई। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि एक नाबालिग को भी हिरासत में लेकर बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। फिलहाल, सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है, और पुलिस हमले के पीछे के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। एक अन्य घटना में रविवार तड़के मुंबई-वडोदरा राजमार्ग पर भीषण एक्सीडेंट हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत की खबर है। हादसा बदलापुर में हुआ, जिसमें एक लग्जरी कार बीएमडब्ल्यू से टकरा गई। बताया जा रहा है कि हादसा तेज रफ्तार के कारण हुआ। शुरूआती जानकारी के अनुसार, कार तेज रफ्तार में थी और इसी दौरान चालक ने कार से नियंत्रण खो दिया। इस दुर्घटना में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिसका मलबा दूर-दूर तक बिखर गया। मृतकों की पहचान योगेश किशन नेगी (24) और रेबेका बाबू जैकब (22) के रूप में हुई है, जबकि एक शख्स भी घायल हो गया, जिसकी पहचान अंगद गिल (26) के रूप में हुई है। अंगद गिल और किशन नेगी बदलापुर के ही रहने वाले हैं, जबकि रेबेका बांद्रा की रहने वाली थीं।

ठाणे जिले में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

ठाणे : 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे ठाणे जिले में बड़े उत्साह और व्यापक जनभागीदारी के साथ मनाया गया। महाराष्ट्र सरकार और भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों नागरिकों ने भाग लेकर स्वस्थ जीवन शैली के प्रति अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता जताई। इस अवसर पर पूरे जिले में शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण पर केंद्रित विभिन्न योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुबह से ही विभिन्न स्थानों पर योग शिविरों में लोगों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जहां प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की तकनीकों का अभ्यास कराया।

कार्यक्रम का केंद्रीय आधिकारिक आयोजन ठाणे के कोपरी स्थित तालुका स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सुबह 7:00 बजे शुरू हुआ। इस मुख्य कार्यक्रम का संचालन जिला खेल अधिकारी कार्यालय द्वारा किया गया, जो ठाणे जिला कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस योग शिविर को सफल बनाने में कई सामाजिक और आध्यात्मिक संगठनों ने सहयोग किया। इनमें पतंजलि योग समिति, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय सहित कई प्रमुख स्थानीय कल्याण संगठनों की भागीदारी उल्लेखनीय रही। सभी संगठनों ने मिलकर कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को योग के नियमित अभ्यास के लाभों के बारे में भी जागरूक किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति और आध्यात्मिक संतुलन के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। जिले भर में आयोजित इन कार्यक्रमों में महिलाओं, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी इस अवसर पर उपस्थिति दर्ज कराई और योग के महत्व पर प्रकाश डाला। कुल मिलाकर, ठाणे जिले में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का यह आयोजन न केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम के रूप में सफल रहा, बल्कि इसने समाज में योग के प्रति जागरूकता और अपनत्व की भावना को भी मजबूत किया।

महाराष्ट्र में मानसून संकट के बीच एमवीए का सरकार पर हमला, चाय बैठक का किया बहिष्कार...

मुंबई: मानसून की बारिश में देरी, जल संकट और कृषि क्षेत्र में बढ़ते संकट के बीच राज्य की राजनीति गरमा गई है। विपक्षी महा विकास अघाड़ी ने राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा आयोजित पारंपरिक चाय बैठक का बहिष्कार कर दिया। विपक्षी गठबंधन ने भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार जनता के जमीनी मुद्दों के प्रति असंवेदनशील बनी हुई है। सोमवार से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र

से पहले माहौल तैयार करने की मांग करते हुए एमवीए नेताओं ने कहा कि सूखे जैसी स्थिति, बुआई में देरी और कृषि संकट जैसे मुद्दे लगातार बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के वरिष्ठ नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार केवल घोषणाओं तक सीमित है और वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं कर पा रही है। विपक्ष ने यह भी कहा कि कृषि ऋण माफी योजना को लेकर सरकार का रुख ''भ्रामक'' है, जिससे किसानों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि राज्य में केवल कृषि संकट ही नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था, महिलाओं के खिलाफ अपराध और नशीले पदार्थों के प्रसार जैसे मुद्दे भी गंभीर रूप से बढ़ रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार इन समस्याओं पर नियंत्रण पाने में लगातार विफल रही है। शिवसेना (यूबीटी) नेता और पूर्व मंत्री भास्कर जाधव ने कहा कि राज्य इस समय गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में बुआई कार्य प्रभावित हुआ है और किसान भारी तनाव में हैं।

चाय समारोह में दिखी राजनीतिक एकजुटता की झलक...

मुंबई: विधानसभा के मॉनसून सत्र की पूर्व संध्या पर परंपरा के अनुसार चाय समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व और कई विधायकों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोहे सहित सभी मंत्री और कई विधायक मौजूद रहे। समारोह का उद्देश्य सत्र शुरू होने से पहले सौहार्दपूर्ण माहौल बनाना और परंपरागत रूप से संवाद स्थापित करना माना जाता है। कार्यक्रम के दौरान सभी नेताओं ने एक-दूसरे से बातचीत की और आगामी मॉनसून सत्र के दौरान उठाए जाने वाले मुद्दों पर अनौपचारिक चर्चा भी की। यह आयोजन हर साल सत्र से पहले एक औपचारिक परंपरा के रूप में किया जाता है, जिसमें सत्ता और विपक्ष के सदस्य एक साथ उपस्थित होते हैं। राजनीतिक हलकों में इस चाय समारोह को महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि यह सत्र की शुरूआत से पहले विभिन्न दलों के बीच संवाद का अवसर प्रदान करता है। हालांकि यह औपचारिक आयोजन होता है, लेकिन इसके जरिए राजनीतिक माहौल का भी आकलन किया जाता है। इस मौके पर सरकार की ओर से सत्र को सुचारु रूप से चलाने और राज्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने की बात कही गई।

मुंबई बेस्ट हड़ताल खत्म: शिंदे से मुलाकात के बाद कर्मचारियों ने लिया फैसला

मुंबई: मुंबई में पिछले तीन दिनों से जारी बेस्ट बस कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल को यूनियनों ने आधिकारिक तौर पर वापस ले लिया है। इस फैसले से मुंबई के लाखों दैनिक यात्रियों को बड़ी राहत मिली है और सोमवार सुबह से शहर की बस सेवाएं पूरी तरह सामान्य हो जाएंगी। क्या है मामला? जानिए...

मायानगरी मुंबई के लाखों यात्रियों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई। पिछले तीन दिनों से मुंबई की सड़कों पर थम चुका सार्वजनिक परिवहन का दूसरा सबसे बड़ा पहिया आखिरकार फिर से घूमने के लिए तैयार है। बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) के कर्मचारी संघों ने अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल वापस लेने का आधिकारिक एलान कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ हुई सकारात्मक बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया है। इस घोषणा के बाद से ही मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में यातायात व्यवस्था सामान्य होने की

उम्मीद बढ़ गई है।

अधिकारियों ने बताया कि पिछले तीन दिनों से मुंबई में बस सेवाओं को बुरी तरह प्रभावित करने वाली यह हड़ताल, शिंदे की अध्यक्षता में हुई बातचीत के बाद वापस ली गई। इस बातचीत में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे 'बेस्ट संयुक्त कामगार कृति समिति' के प्रतिनिधियों और अन्य संबंधित पक्षों ने हिस्सा लिया था। यह बैठक स'ह्याद्रि गेस्ट हाउस में हुई थी।

शिवसेना (यूबीटी) नेता सचिन अहीर ने यह घोषणा तब की जब शिंदे ने कहा कि स्थायी और वेट-लीज कर्मचारियों को क्रमशः 3,000 रुपये और 2,000 रुपये प्रति माह की अंतरिम वेतन वृद्धि मिलेगी। अहीर ने कहा कि कर्मचारियों की कुछ प्रमुख मांगें भी मान ली गई हैं और बेस्ट बसें जल्द ही शहर की सड़कों पर लौट आएंगी।

तीन दिन तक थमी रही मुंबई की रफ्तार

मुंबई में लोकल ट्रेन के बाद बेस्ट बसों को शहर की दूसरी लाइफलाइन माना जाता है। इस हड़ताल के कारण पिछले 3 दिनों से मुंबई महानगर और उसके उपनगरों में सार्वजनिक बस सेवाएं पूरी तरह चरमरा गई थीं। आम कामकाजी लोगों, दफ्तर जाने वालों और खासकर स्कूली व कॉलेज के छात्रों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सड़कों पर बसें न होने के कारण ऑटो और टैक्सी चालकों ने मनमाना किराया वसूला, जिससे आम जनता की जेब पर सीधा असर पड़ा। लोकल ट्रेनों और मेट्रो में भी आम दिनों के मुकाबले भारी भीड़ देखने को मिली।

सीबीआई का बड़ा एक्शन: बैंक फ्रॉड केस में सीबीआई की ताबड़तोड़ छापेमारी!

मुंबई: केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मुंबई स्थित एक फर्म और उसके साझेदारों के खिलाफ 62.42 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया। यह मामला भारतीय बैंक, एसएएम शाखा, मुंबई की शिकायत पर दर्ज किया गया है। आरोप है कि संबंधित फर्म और अन्य अज्ञात लोगों ने आपराधिक साजिश के तहत बैंक को गलत वित्तीय जानकारी और बढ़ा-चढ़ाकर दिखाए गए देनदारों के आंकड़े प्रस्तुत किए। इसके आधार पर भारतीय बैंक और एक अन्य बैंक से अधिक कैश क्रेडिट सुविधा प्राप्त की गई, जिससे बैंक को लगभग 62.42 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

मामला दर्ज होने के बाद सीबीआई ने 20 जून को मुंबई सहित कई स्थानों पर फर्म के साझेदारों से

जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई विशेष न्यायालय, सीबीआई मामलों, मुंबई द्वारा जारी सर्च वारंट के आधार पर की गई। छापेमारी के दौरान जांच से संबंधित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए। प्रारंभिक जांच में ऐसे देनदारों के बारे में जानकारी मिली है, जिनकी वैधता की पुष्टि की जा रही है। इसके अलावा बैंक से अधिक ऋण प्राप्त करने के लिए देनदारों के आंकड़ों में कथित हेराफेरी से जुड़े दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं।

सीबीआई ने बताया कि मामले की जांच जारी है और इसमें शामिल सभी लोगों (चाहे वे अधिकारी हों या निजी व्यक्ति) की भूमिका की जांच की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि ऋण की राशि का उपयोग कहां-कहां किया गया। वहीं, एक अन्य मामले में सीबीआई ने कहा कि वह कांग्रेस नेता पवनराजे निम्बालकर और उनके चालक की हत्या मामले में सभी आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती देगी। मुंबई की एक विशेष सीबीआई अदालत ने इस हाई-प्रोफाइल हत्याकांड में पूर्व महाराष्ट्र गृह मंत्री और पूर्व एनसीपी सांसद पद्मसिंह बाजीराव पाटिल सहित सभी आरोपियों को सबूतों के अभाव और संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।

पवनराजे निम्बालकर और उनके चालक की 3 जून 2006 को नवी मुंबई में दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बाद में बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्देश पर यह मामला सीबीआई को सौंप दिया गया था। इस मामले में विशेष सीबीआई अदालत ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया। सीबीआई का कहना है कि वह इस मामले को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती देगी।

नगर पंचायत उपचुनाव में मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी...

मुंबई: महाराष्ट्र की नगर परिषदों और नगर पंचायतों की 38 रिक्त सीटों के लिए शनिवार को शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न हुआ। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार इन उपचुनावों में औसतन 71.84 प्रतिशत मतदान होने का प्रारंभिक अनुमान है। वोटों की गिनती 21 जून को होगी। राज्य चुनाव आयोग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार राज्य के 14 जिलों की 8 नगर परिषदों और 14 नगर पंचायतों में कुल 47 रिक्त पदों के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित किया गया था। इनमें 8 सीटें निर्विरोध चुनी जा चुकी हैं, जबकि तीर्थपुरी नगर पंचायत में नामांकन नहीं मिलने से वहां चुनाव नहीं हुआ। इसके बाद शेष 38 सीटों के लिए राज्यभर के 51 मतदान केंद्रों पर मतदान कराया गया। आम चुनाव वाली सीटों पर औसतन 72.12 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। उपचुनावों में औसतन 71.55 प्रतिशत मतदान होने का प्रारंभिक अनुमान है। कई नगर परिषदों और नगर पंचायतों में मतदाताओं ने उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान समाप्त होने के बाद सभी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को सीलबंद कर सुरक्षा कक्षों में जमा कर दिया गया है। राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे ने बताया कि इन चुनावों की मतगणना 21 जून को सुबह 10 बजे से शुरू होगी।

संजय राउत का दावा: कुछ बागी सांसद संपर्क में... दो से बातचीत जारी

मुंबई: शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि उनकी पार्टी के कुछ बागी सांसद अभी भी संपर्क में हैं और पार्टी नेतृत्व से बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये सांसद अपने-अपने चुनाव क्षेत्रों में जनता के गुस्से को लेकर चिंतित हैं और इसी वजह से असहज स्थिति में हैं। पत्रकारों से बातचीत करते हुए राज्यसभा सांसद संजय राउत ने बताया कि कम से कम दो सांसदों के साथ इस समय बातचीत चल रही है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यदि इन सांसदों को लगता है कि उनसे कोई गलती हुई है, तो पार्टी उनके साथ संवाद के लिए तैयार है।

राउत ने कहा कि पार्टी से अलग हुए कुछ नेता अभी भी संपर्क बनाए

हुए हैं और वे अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर असमंजस में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये सांसद अपने क्षेत्रों में जनता की नाराजगी का सामना कर रहे हैं, जिसके कारण वे दबाव में हैं। उन्होंने कहा, "कुछ सांसद अभी भी संपर्क में हैं। वे अपने चुनाव क्षेत्र में लोगों के गुस्से की वजह से डरे हुए हैं।" शिवसेना (यूबीटी) नेता के इस बयान को राजनीतिक हलकों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इससे पार्टी के भीतर चल रहे असंतोष और संभावित वापसी की चर्चाओं को फिर से हवा मिल गई है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बागी सांसदों और मूल पार्टी के बीच चल रही यह बातचीत आगामी समय में राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से आधिकारिक रूप से कोई अंतिम निर्णय सामने नहीं आया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, नेतृत्व का प्रयास है कि जो भी नेता असंतुष्ट हैं, उनसे बातचीत कर समाधान निकाला जाए ताकि संगठन को और कमजोर होने से बचाया जा सके।

नितेश राणे ने 23 जून को जन्मदिन न मनाने का लिया फैसला

मुंबई: मंत्री नितेश राणे ने घोषणा की कि वे इस वर्ष 23 जून को अपना जन्मदिन नहीं मनाएंगे। उन्होंने राज्य में किसानों, मछुआरों और आम लोगों के सामने खड़ी गंभीर समस्याओं को देखते हुए यह निर्णय लिया है। मंत्री नितेश राणे ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह फैसला मौजूदा हालात को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उन्होंने बताया कि कोंकण क्षेत्र में आम और काजू की फसल को भारी नुकसान हुआ है, जिससे किसानों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मॉनसून में देरी के कारण मछुआरों की आजीविका पर भी असर पड़ा है

और समुद्री गतिविधियों में कमी आई है। बारिश की अनिश्चितता के चलते मछुआरों को कामकाज में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नितेश राणे ने अपने बयान में यह भी उल्लेख किया कि अल-नीनो के प्रभाव के कारण राज्य के कई हिस्सों में पानी की कमी और सूखे जैसी स्थिति बनने की आशंका बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि ऐसे हालात में व्यक्तिगत उत्सव की बजाय जनहित के मुद्दों पर ध्यान देना अधिक जरूरी है। मंत्री ने कहा कि राज्य के किसानों और मछुआरों की समस्याएं गंभीर हैं और ऐसे समय में किसी भी प्रकार का उत्सव मनाना उचित नहीं होगा। उन्होंने इसे एक जिम्मेदार निर्णय बताते हुए जनता के प्रति अपनी संवेदनशीलता व्यक्त की। उनके इस फैसले को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा भी शुरू हो गई है। कई लोगों ने इसे एक संवेदनशील कदम बताया है, जबकि कुछ ने इसे प्रतीकात्मक निर्णय करार दिया है। कोंकण क्षेत्र में आम और काजू की खेती बड़े पैमाने पर होती है और यह स्थानीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

अढ़ाई अरब डॉलर का कर्ज...

भारतीय मुद्रा में यह कर्ज 23,600 करोड़ रुपए से अधिक का होगा। इसमें से 14,160 करोड़ रुपए विश्व बैंक और 9440 करोड़ रुपए एशियाई विकास बैंक से कर्ज लिया जा सकता है। कर्ज की घोषणा आगामी दो माह में, कभी भी, की जा सकती है। यह ह्यब्लूमबर्गह्ल की रपट भी है। इस तरह अब भारत पर विश्व बैंक का कुल बकाया कर्ज करीब 39.3 अरब डॉलर (करीब 3.30 लाख करोड़ रुपए) है। यह कर्ज भारत सरकार और विश्व बैंक के बीच 5-साला समझौते का हिस्सा होगा, जिसके तहत 8-10 अरब डॉलर की सालाना वित्तीय मदद का प्रावधान है।

यह ईरान युद्ध और उससे उपजे संकटों और प्रभावित सप्लाई चेन के फलितार्थ हैं। मई में भारत का निर्यात 45.20 अरब डॉलर था, जबकि आयात 73.41 अरब डॉलर का करना पड़ा। नतीजतन एक ही माह में व्यापार घाटा 28.21 अरब डॉलर का रहा। भारत का राजकोषीय घाटा और चालू खाता घाटा भी बढ़े हैं। राजकोषीय घाटा जीडीपी के 1 फीसदी से अधिक तक बढ़ सकता है। हमारी मुद्रा ह्यरुपएह्ल का अवमूल्यन होता रहा है। अब कुछ पैसे कम हुआ है, लेकिन अब भी 94 रुपए से अधिक है। महंगाई की दर 10 फीसदी तक पहुंचने को है। बेरोजगारी की दर भी बढ़ी है। युद्ध के कारण ईंधन और उर्वरक की सबसिडी का बोझ बहुत बढ़ा है, लिहाजा सरकारी पूंजी के अलावा, अतिरिक्त स्रोतों की तलाश सरकार कर रही है। खबर आई है कि भारत सरकार विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक से 2.5 अरब डॉलर का कर्ज लेने पर विचार कर रही है। भारतीय मुद्रा में यह कर्ज 23,600 करोड़ रुपए से अधिक का होगा। इसमें से 14,160 करोड़ रुपए विश्व बैंक और 9440 करोड़ रुपए एशियाई विकास बैंक से कर्ज लिया जा सकता है। कर्ज की घोषणा आगामी दो माह में, कभी भी, की जा सकती है। यह ह्यब्लूमबर्गह्ल की रपट भी है। इस तरह अब भारत पर विश्व बैंक का कुल बकाया कर्ज करीब 39.3 अरब डॉलर (करीब 3.30 लाख करोड़ रुपए) है। यह कर्ज भारत सरकार और विश्व बैंक के बीच 5-साला समझौते का हिस्सा होगा, जिसके तहत 8-10 अरब डॉलर की सालाना वित्तीय मदद का प्रावधान है। यह भी देश के सामने स्पष्ट होना चाहिए कि भारत विश्व बैंक से सबसे अधिक कर्ज लेने वाले देशों की सूची में शीर्ष स्थान पर है। चिंतित सरोकार यह नहीं है कि ईरान युद्ध के कारण भारत में कर्ज लेने की नौबत आ गई है। अमरीका अपनी कुल जीडीपी से काफी ज्यादा करीब 39 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज में है।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK
LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE
SHARE
COMMENT
SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

एलटीटी कैंपस में बड़ी रेड, अवैध गैस सिलेंडर और प्रतिबंधित गुटखा का स्टॉक जब्त!

मुंबई: लोकमान्य तिलक टर्मिनस कैंपस में एक बड़ी कार्रवाई के दौरान स्वराज चौक क्षेत्र में एक्टिविस्ट्स ने कथित तौर पर अवैध गैस सिलेंडर और प्रतिबंधित गुटखा उत्पादों का बड़ा स्टॉक पकड़ा। इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन सक्रिय हो गया। सूचना मिलते ही मुंबई की मेयर रितु तावड़े मौके पर पहुंचीं और पूरे हालात का निरीक्षण किया। उन्होंने घटनास्थल पर जाकर स्थिति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। शुरूआती जांच में यह मामला अवैध भंडारण और नियमों के उल्लंघन से जुड़ा बताया जा रहा है।

मेयर रितु तावड़े ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इस कार्रवाई को लेकर जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि उन्होंने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और संबंधित पुलिस तथा नगर निगम अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस घटना के बाद नगर निगम और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से जांच शुरू कर दी है। बरामद किए गए सामान की मात्रा और स्रोत की जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह अवैध स्टॉक कहां से और कैसे लाया गया था।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, रेलवे परिसर और उसके आसपास इस तरह की गतिविधियां गंभीर सुरक्षा और स्वास्थ्य नियमों का उल्लंघन मानी जाती हैं। प्रतिबंधित गुटखा उत्पादों और बिना अनुमति गैस सिलेंडरों का भंडारण न केवल अवैध है, बल्कि यह बड़े हादसे का कारण भी बन सकता है। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि मामले में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या इस नेटवर्क के पीछे कोई संगठित गिरोह सक्रिय है। इस कार्रवाई के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। रेलवे परिसर और आसपास के क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। कुल मिलाकर, एलटीटी कैंपस में हुई इस बड़ी रेड ने अवैध गतिविधियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं और प्रशासन अब इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रहा है।

मुंबई नीट मामला: समय से देरी पर छात्रा की एंट्री रोकी गई

मुंबई : परेल इलाके में आयोजित नीट यूजी परीक्षा के दौरान एक छात्रा को परीक्षा केंद्र में प्रवेश से रोक दिए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि छात्रा निर्धारित समय सीमा के कुछ मिनट बाद पहुंची थी, जिसके कारण उसे परीक्षा हॉल में प्रवेश नहीं दिया गया। इस घटना ने परीक्षा नियमों की सख्ती और ग्रेस पीरियड दिए जाने को लेकर नई बहस छेड़ दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, छात्रा दोपहर 1:27 बजे परीक्षा केंद्र पर पहुंची थी, जबकि प्रवेश की अंतिम समय सीमा दोपहर 1:30 बजे निर्धारित थी। इसके बावजूद, उसे केंद्र के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। नियमों के अनुसार सभी उम्मीदवारों को 1:30 बजे तक परीक्षा केंद्र के भीतर पहुंचना अनिवार्य था।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि छात्रा समय सीमा से कुछ ही मिनट पहले पहुंची थी, लेकिन प्रवेश द्वार पर तैनात अधिकारियों ने उसे रोक दिया। इस घटना के बाद अभ्यर्थियों और अभिभावकों में नाराजगी देखी जा रही है और परीक्षा प्रक्रिया में लचीलापन रखने की मांग उठने लगी है। इस मामले ने प्रशासनिक निर्णय लेने की प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। कई लोगों का कहना है कि यदि कोई उम्मीदवार तय समय के बेहद करीब पहुंचता है, तो मानवीय आधार पर थोड़ी छूट दी जानी चाहिए, जबकि नियमों के पक्षधर इसे अनुशासन और पारदर्शिता के लिए जरूरी बताते हैं।

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार, उम्मीदवारों को परीक्षा शुरू होने से पहले निर्धारित समय तक ही केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जाती है, और उसके बाद किसी भी स्थिति में प्रवेश नहीं दिया जाता। नीट यूजी परीक्षा का री-एग्जाम दोपहर 2 बजे शुरू हुआ और शाम 5:15 बजे समाप्त हुआ। परीक्षा में सख्त सुरक्षा और समय पालन को लेकर विशेष निर्देश जारी किए गए थे, जिसके तहत किसी भी प्रकार की देरी को स्वीकार नहीं किया गया। घटना के बाद सोशल मीडिया पर भी यह मुद्दा चर्चा में है। कुछ लोग इसे सख्त नियमों का उदाहरण बता रहे हैं, जबकि कुछ इसे असंवेदनशील निर्णय मान रहे हैं। फिलहाल इस मामले पर आधिकारिक तौर पर किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन यह घटना एक बार फिर परीक्षा नियमों में सख्ती और मानवीय दृष्टिकोण के बीच संतुलन पर बहस को तेज कर रही है।

मुंबई : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर नवी मुंबई में योग और मैंग्रोव सफाई का संयुक्त आयोजन...

नवी मुंबई : सेहत और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नवी मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एनवायरनमेंट लाइफ फाउंडेशन और शिवोमय योग एंड वेलनेस द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया, जिसमें योग सत्र के साथ-साथ समुद्र तट पर मैंग्रोव सफाई अभियान भी शामिल रहा। हल्की बारिश के बावजूद सुबह के समय हुए इस आयोजन में लगभग 40 वॉलंटियर्स ने भाग लिया और पूरे उत्साह के साथ गतिविधियों में हिस्सा लिया।

पर्यावरण जीवन फाउंडेशन द्वारा चलाया जा रहा मैंग्रोव सफाई अभियान इस अवसर पर अपने 305वें साप्ताहिक चरण में पहुंचा। लंबे समय से चल रहे इस अभियान का उद्देश्य नवी मुंबई के तटीय क्षेत्रों में फैले मैंग्रोव क्षेत्रों की सफाई करना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। इस विशेष दिन पर योग और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़कर एक संदेश देने की कोशिश की गई कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ प्रकृति की सुरक्षा भी जरूरी है। कार्यक्रम का योग सत्र मैंग्रोव क्षेत्र के बीच प्राकृतिक वातावरण में आयोजित किया गया, जिसने प्रतिभागियों को एक अलग अनुभव दिया। योग सत्र का नेतृत्व शिवोमय योग और कल्याण की संस्थापक, इंटीग्रेटिव योग प्रैक्टिशनर और साइकोथेरेपिस्ट दीपाली उडियावर ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन और श्वास अभ्यास कराए, जिससे मानसिक शांति और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा मिले। आयोजकों के अनुसार, इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य केवल योग करना नहीं बल्कि लोगों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का एहसास कराना भी है। समुद्र तट और मैंग्रोव क्षेत्र में सफाई अभियान के साथ योग करने से प्रतिभागियों को प्रकृति के करीब होने का अनुभव मिला और उन्होंने यह भी महसूस किया कि पर्यावरण संरक्षण एक सामूहिक जिम्मेदारी है। हल्की बारिश के बीच भी वॉलंटियर्स ने पूरे उत्साह के साथ सफाई अभियान में हिस्सा लिया। उन्होंने मैंग्रोव क्षेत्र से प्लास्टिक और अन्य कचरे को हटाने का कार्य किया। आयोजकों ने बताया कि लगातार 305 सप्ताह से चल रहा यह अभियान अब एक नियमित सामाजिक आंदोलन का रूप ले चुका है, जिसमें स्थानीय लोग भी धीरे-धीरे जुड़ रहे हैं।

शिवसेना यूबीटी की सुषमा अंधारे का हमला: बागी सांसदों पर उठाए सवाल

पुणे : शिवसेना (यूबीटी) की प्रवक्ता सुषमा अंधारे ने रविवार को पार्टी छोड़ने वाले बागी सांसदों पर निशाना साधा। उन्होंने वाई-प्लस सुरक्षा घेरे पर निर्भर रहने के बावजूद जनता का समर्थन होने के उनके दावों पर सवाल उठाए।पुणे में पत्रकारों से बात करते हुए, अंधारे ने दिवंगत पवनराजे निंबालकर के बेटे सांसद ओमराजे निंबालकर के प्रति सहानुभूति जताई और साथ ही पार्टी से अलग होने वाले नेताओं के राजनीतिक फैसलों की आलोचना की।अंधारे ने कहा, ''उनके प्रति मेरी पूरी सहानुभूति है। हमारे राजनीतिक संबंधों की प्रकृति चाहे जो भी हो, इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि उन्होंने पिछले 20 वर्षों से अपने पिता के लिए लड़ाई लड़ी है... फैसले से उन्हें दुख होना स्वाभाविक है।''

''ऑपरेशन टाइगर'' के तहत कई सांसदों के कथित तौर पर पार्टी छोड़ने के बीच शिवसेना (यूबीटी) में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल का जिक्र करते हुए, अंधारे ने दावा किया कि बागी नेता जनता से कट गए हैं।उन्होंने कहा, ''अपने राजनीतिक फैसलों के कारण वे अब काफी निराश दिख रहे हैं... अगर लोग और

जनता वास्तव में उनके साथ होते, तो पार्टी छोड़ने वाले छह सांसदों को वाई-प्लस सुरक्षा घेरे की जरूरत नहीं पड़ती।'' अंधारे ने नीट-यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा के लिए की गई व्यवस्थाओं की भी आलोचना की। पेपर लीक के आरोपों के कारण मूल परीक्षा रद्द होने के बाद यह परीक्षा कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच आयोजित की गई थी। उन्होंने सवाल किया, ''जिस देश में परीक्षा आयोजित करने के लिए सेना की मदद की जरूरत पड़ती है, क्या वहां सच में विकास का दावा किया जा सकता है?'' 3 मई को प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के बाद परीक्षा रद्द होने के बाद देश भर में आयोजित नीट-यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा में 22 लाख से अधिक छात्र शामिल हुए। इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) ने शनिवार को अनुपस्थित रहने वाले अपने सांसदों को एक नया कारण बताओ नोटिस जारी किया और उन्हें दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य ठहराए जाने की चेतावनी दी। यह नोटिस लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक अनिल देसाई ने जारी किया था, जिसमें सांसदों को संसदीय दल की एक महत्वपूर्ण बैठक में अनुपस्थित रहने के संबंध में 24 घंटे के भीतर लिखित स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया था। पार्टी ने चेतावनी दी कि अगर जवाब नहीं दिया गया, तो इसे पार्टी की सदस्यता स्वेच्छा से छोड़ने जैसा माना जाएगा और संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत कार्रवाई का रास्ता साफ हो जाएगा।यह विवाद तब और बढ़ गया जब गुरुवार को नई दिल्ली में हुई पार्टी की संसदीय बैठक में लोकसभा के नौ सांसदों में से केवल तीन ही शामिल हुए। बैठक में अरविंद सावंत, अनिल देसाई और राजाभाऊ वाजे तो शामिल हुए, लेकिन संजय दीना पाटिल समेत छह सांसद अनुपस्थित रहे।

कल्याण-डोंबिवली नगर निगम रिकॉर्ड में बड़ी गड़बड़ी का मामला, 50 साल पुराना घर डेटाबेस से गायब

कल्याण : कल्याण-डोंबिवली क्षेत्र में नागरिक रिकॉर्ड से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने प्रशासनिक व्यवस्था और संपत्ति रिकॉर्ड की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कल्याण-डोंबिवली नगर निगम ने कथित तौर पर लगभग 50 साल पुरानी एक रिहायशी संपत्ति को अपने आधिकारिक डेटाबेस से हटा दिया है, जबकि वह घर आज भी उसी स्थान पर मौजूद है और उसमें परिवार रह रहा है। इस मामले ने तब और तूल पकड़ लिया जब नगर निगम ने संबंधित संपत्ति पर प्रॉपर्टी टैक्स लेने से इनकार कर दिया। निगम का दावा है कि यह घर वर्षों पहले सड़क चौड़ीकरण के दौरान गिरा दिया गया था। हालांकि, संबंधित परिवार ने इस दावे को पूरी तरह से गलत बताते हुए इसका पुरजोर खंडन किया है।

गोविंदवाड़ी इलाके में गुजराती मंदिर के पास स्थित यह संपत्ति शेख परिवार की है, जो पिछले लगभग पांच दशकों से यहां रह रहा है। परिवार के अनुसार, यह घर मूल रूप से उनके पिता के नाम पर रजिस्टर्ड था और वे लगातार इस संपत्ति पर हाउस टैक्स और बिजली बिल का भुगतान करते आ रहे हैं। कल्याण-डोंबिवली नगर निगम के रिकॉर्ड से संपत्ति के अचानक गायब होने के बाद स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक पारदर्शिता और रिकॉर्ड प्रबंधन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मामला सामने आने के बाद यह चर्चा तेज हो गई है कि कैसे एक वास्तविक रूप से मौजूद संपत्ति सरकारी रिकॉर्ड से हटाई जा सकती है और इसके पीछे किस स्तर पर चूक हुई है।

परिवार का कहना है कि उन्होंने कभी भी अपनी संपत्ति को लेकर कोई विवाद नहीं देखा और वर्षों से सभी आवश्यक कर और बिल समय पर जमा करते रहे हैं। ऐसे में निगम द्वारा संपत्ति को गैर-मौजूद बताना और टैक्स लेने से इनकार करना उनके लिए हैरानी और परेशानी का कारण बन गया है। इस घटना ने नगर निगम की कार्यप्रणाली, रिकॉर्ड अपडेट प्रणाली और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की गलतियां न केवल नागरिकों के अधिकारों को प्रभावित करती हैं, बल्कि कानूनी विवादों को भी जन्म दे सकती हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि ऐसे मामलों की सही तरीके से जांच नहीं की गई, तो भविष्य में संपत्ति विवाद और बढ़ सकते हैं।

पनवेल में मलेरिया रोकथाम माह शुरू...
डेंगू और अन्य बीमारियों पर जागरूकता अभियान तेज

पनवेल : पनवेल नगर निगम ने राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 'मलेरिया खत्म करने की रणनीति 2030' के अनुरूप एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। इसके अंतर्गत जून महीने को पूरे क्षेत्र में 'मलेरिया रोकथाम माह' के रूप में मनाया जा रहा है। इस दौरान नगर निकाय का मेडिकल और स्वास्थ्य विभाग बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चला रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को मलेरिया के साथ-साथ मच्छरों से फैलने वाली अन्य गंभीर बीमारियों जैसे डेंगू, चिकनगुनिया, ज़िका, चांदीपुरा वायरस संक्रमण और फाइलेरिया के बारे में जानकारी देना और उनसे बचाव के उपायों को बढ़ावा देना है।

अभियान के तहत नागरिकों की सक्रिय भागीदारी पर विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि लोग अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई बनाए रखें और मच्छरों के प्रजनन को रोकने में सहयोग करें। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि जनभागीदारी के बिना इन बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण संभव नहीं है। पनवेल नगर निगम के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आनंद गोसावी के अनुसार, यह जागरूकता अभियान विभिन्न स्तरों पर चलाया जा रहा है। इसके लिए शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सब-सेंटर्स और 'आपला दवाखाना' जैसी स्वास्थ्य सुविधाओं का उपयोग किया जा रहा है। अभियान के दौरान मेडिकल अधिकारी, नर्स और आशा कार्यकर्ता नियमित रूप से नागरिकों से संपर्क कर रहे हैं और उन्हें बीमारियों के लक्षण, इलाज और रोकथाम के तरीकों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। इसके अलावा, समुदाय स्तर पर आउटरीच कार्यक्रम और सूचना सत्र भी आयोजित किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि बदलते मौसम और पानी के जमाव के कारण मच्छर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में समय रहते जागरूकता फैलाना और रोकथाम के उपाय अपनाना बेहद जरूरी है। इस अभियान में लोगों को यह भी बताया जा रहा है कि घरों के आसपास पानी जमा न होने दें, कूलर और टंकियों की नियमित सफाई करें तथा मच्छरदानी और अन्य सुरक्षात्मक उपायों का उपयोग करें।

मुंबई-ठाणे और नवी मुंबई की मस्जिदों में बारिश के लिए विशेष दुआ, जल संकट पर चिंता

मुंबई: मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में मानसून के लगातार जारी रहने के बावजूद जलाशयों के घटते स्तर और पानी की संभावित कमी को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। इसी को देखते हुए शुक्रवार को मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई की कई मस्जिदों में विशेष दुआ और प्रार्थनाएं आयोजित की गईं, जिसमें बेहतर बारिश और जल संकट से राहत के लिए दैवीय मदद की अपील की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में नमाजियों ने सामूहिक रूप

से बारिश के लिए दुआ की और शहर में सामान्य और पर्याप्त वर्षा की कामना की। मुंबई के माहिम स्थित बिस्मिल्लाह मस्जिद में विशेष आयोजन किया गया, जहां जुमा की नमाज के बाद लगभग 50 से 70 नमाजियों ने करीब 30 मिनट तक दुआ में भाग लिया। इस दौरान लोग भावुक माहौल में बारिश और जल संकट से राहत के लिए प्रार्थना करते नजर आए। बिस्मिल्लाह मस्जिद माहिम के ट्रस्टी मोहिउद्दीन हाजी ने बताया कि यह निर्णय गुरुवार को लिया गया, जब मस्जिद समिति के सदस्यों ने बारिश में देरी और जल संकट के बढ़ते खतरे पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि शुक्रवार का दिन विशेष धार्मिक महत्व रखता है, इसलिए इसी दिन सामूहिक दुआ का आयोजन किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले भी कुछ वर्ष पहले इसी तरह की विशेष प्रार्थना की गई थी, जब शहर में बारिश की स्थिति चिंताजनक हो गई थी।

टीसीएस कर्मचारियों की जमानत पर फैसला 25 जून को संभव

नासिक : कथित यौन उत्पीड़न और धर्म परिवर्तन से जुड़े एक मामले में टीसीएस के दो कर्मचारियों निदा खान और दानिश शेख की जमानत याचिकाओं पर अदालत 25 जून को अपना आदेश सुना सकती है। यह मामला नासिक की एक अदालत में विचाराधीन है, जहां दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद सुनवाई को आदेश के लिए सुरक्षित रख लिया गया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (नासिक रोड अदालत) के जी जोशी ने मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन और बचाव पक्ष दोनों की विस्तृत दलीलें सुनीं। इसके बाद अदालत ने निर्णय सुरक्षित रख लिया और कहा कि इस मामले में आदेश 25 जून को पारित किया जा सकता है। मामले में आरोपी पक्ष की ओर से वकील राहुल कासलीवाल ने निदा खान की ओर से जमानत याचिका प्रस्तुत की। याचिका में मुख्य रूप से यह तर्क दिया गया कि वह गर्भवती हैं, इसलिए उन्हें मानवीय आधार पर जमानत दी जानी चाहिए। निदा खान और दानिश शेख पर कथित यौन उत्पीड़न और धर्म परिवर्तन से जुड़े आरोप लगाए गए हैं, जिनकी जांच जारी है।

कतर के गैस प्लांट में हुए ब्लास्ट में भारतीय और पाकिस्तानी नागरिकों की भी गई जान...

अब तक 13 मौतों की पुष्टि

दोहा: कतर के रास लाफान में गैस प्लांट में हुए धमाके में 13 लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। कतर के ऊर्जा मंत्री ने बताया है कि गैस एक्सपोर्ट करने वाले अहम बरजान पोर्ट पर रविवार रात हुए धमाके में कम से कम 13 लोगों की जान गई है। मरने वालों में भारत और पाकिस्तान के नागरिक भी हैं। भारत और पाकिस्तान के लोग बड़े पैमाने पर कतर में काम करते हैं। हालांकि अभी यह साफ नहीं हो सका है कि किस देश के कितने लोगों की जान इस हादसे में गई है। रविवार रात कतर के मुख्य नेचुरल गैस एक्सपोर्ट टर्मिनल पर धमाका हुआ है। धमाके के बाद आग लग गई और यहां मौजूद कर्मचारी इसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद कतर के गृह मंत्रालय ने बताया कि 18 लोगों के लापता होने और 54 लोगों के घायल होनवे की जानकारी दी। सोमवार शाम को 13 मौतों की जानकारी दी गई है। धमाके से प्लांट को भारी नुकसान हुआ है।

पोर्ट को शुरू करने के दौरान हादसा

रास लाफान इंडस्ट्रियल एरिया में हुए इस धमाके से ग्लोबल एनर्जी मार्केट में और उथल-पुथल मच सकती है क्योंकि कतर दुनिया के सबसे बड़े नेचुरल गैस उत्पादकों में से एक है। ईरान के होर्मुज स्ट्रेट बंद करने के बाद कतर ग्राहकों को शिपमेंट नहीं भेज पा रहा था इसलिए उसने अपना प्रोडक्शन बंद कर दिया था। ईरान-अमेरिका समझौते के बाद कतर इस एक्सपोर्ट टर्मिनल को फिर से शुरू कर रहा था।सरकारी एनर्जी कंपनी कतर एनर्जी ने बताया कि रविवार रात को एक्सपोर्ट टर्मिनल को फिर से चालू करने का काम चल रहा था। इसी दौरान बरजान गैस सप्लाई फैसिलिटी में धमाका हुआ और आग लग गई। अधिकारियों ने धमाके की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। अभी तक यह साफ नहीं है कि यह धमाका किस वजह से हुआ है।

बरजान फैसिलिटी कतर के गैस आधारभूत संरचना का एक अहम हिस्सा है, जिसकी उत्पादन क्षमता लगभग 1.4 बिलियन स्टैंडर्ड क्यूबिक फीट सेल्स गैस प्रतिदिन है। इसका उत्पादन मुख्य रूप से घरेलू बिजली उत्पादन और डिसेलिनेशन प्लांट (खारे पानी को मीठा बनाने वाले प्लांट) को चलाने के लिए किया जाता है, जो देश में पानी की आपूर्ति करते हैं। इस सुविधा का संचालन कतर एनर्जी और अंतरराष्ट्रीय साझेदार मिलकर करते हैं। इसमें बड़ी एनर्जी कंपनी एक्सॉनमोबिल की भी थोड़ी हिस्सेदारी है। दोहा स्थित भारतीय दूतावास ने रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी में रविवार को हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की है और कतर सरकार से एकजुटता जताई है।

12547950 रुपयों का घोटाला कर 20 साल रहे फरार, अब जाकर चढ़े CBI के हत्थे

धनबाद : करीब दो दशक पुराने चर्चित झारखंड के एसबीआई मुख्य शाखा, धनबाद बैंक घोटाला मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, सीबीआई ने वर्ष 2005 में दर्ज 1.25 करोड़ रुपए के बैंक धोखाधड़ी और गबन मामले में लंबे समय से फरार चल रहे दो घोषित अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी 20 वर्षों से कानून की गिरफ्त से बचते फिर रहे थे।

सीबीआई ने 20 साल बाद भगोड़ों को पकड़ा

सीबीआई के आगे बताया कि 21 जून 2026 को घोषित अपराधी बृजभूषण प्रसाद और करतार सिंह को गिरफ्तार किया गया। यह मामला एसबीआई की धनबाद मुख्य शाखा से नवंबर 2002 से जून 2005 के बीच 1,25,47,950 रुपए के गबन से संबंधित है। इस संबंध में सीबीआई ने 31 अगस्त 2005 को प्राथमिकी दर्ज की थी।

देश छोड़ कर भाग गए थे आरोपी

धनबाद में जांच के दौरान दोनों आरोपी देश छोड़कर नेपाल भाग गए थे। बाद में सक्षम न्यायालय ने उन्हें घोषित अपराधी करार दिया था। उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया था। साथ ही, दोनों की गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना देने वालों के लिए 25-25 हजार रुपए के नकद इनाम की घोषणा की गई थी।

सालों से नकली पहचान बना छिप रहे थे

सीबीआई ने बताया कि लगातार प्रयासों, तकनीकी सूचनाओं, गुप्त निगरानी और विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के आधार पर दोनों आरोपियों का पता लगाया गया। गिरफ्तारी से बचने के लिए दोनों वर्षों से नकली पहचान के सहारे अलग-अलग स्थानों पर रह रहे थे। सीबीआई की विशेष टीमों ने 21 जून को दो अलग-अलग स्थानों पर एक साथ अभियान चलाकर दोनों को दबोच लिया। बृजभूषण प्रसाद को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के कोपरगांव से गिरफ्तार किया गया, जबकि करतार सिंह को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से पकड़ा गया।

दिल्ली में दर्दनाक सड़क हादसा, बाइक टैक्सी फिसलने से युवती की मौत, महानगर में हादसे बने बड़ी चिंता

नई दिल्ली : दिल्ली के शाहदरा फ्लाईओवर पर बाइक टैक्सी के फिसल जाने से 26 साल की महिला की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान करावल नगर निवासी नीलम के तौर पर हुई है। हादसे के वक्त वह झिलमिल जा रही थी और बाइक टैक्सी पर पीछे बैठी थी। उन्होंने कहा कि उन्हें जीटीबी अस्पताल से घायल हालत में महिला के भर्ती होने की सूचना मिली थी। पूछताछ के दौरान पता चला कि नीलम ने अपने कार्यस्थल तक जाने के लिए बाइक टैक्सी की सेवा ली थी। अधिकारी ने बताया कि दोपहिया वाहन शाहदरा फ्लाईओवर पर कथित तौर पर फिसल गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

अधिकारी ने कहा कि उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे पकड़ लिया गया है। उसकी पहचान धर्मवीर के रूप में हुई है। पुलिस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच कर रही है।

दिल्ली में हादसे बने बड़ी चिंता

दिल्ली में सड़क हादसे लगातार चिंता का विषय बने हुए हैं और इनमें दोपहिया वाहन सवार सबसे अधिक जोखिम वाले वर्गों में शामिल हैं।

दिल्ली रोड क्रैश रिपोर्ट के अनुसार, दोपहिया वाहन चालकों और उनके पीछे बैठे यात्रियों की सड़क दुर्घटनाओं में मौतों में बड़ी हिस्सेदारी है।

साल 2024 में राजधानी में 5,500 से अधिक सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 1,500 से ज्यादा लोगों की जान गई। हाल के सालों में फ्लाईओवर और प्रमुख सड़कों पर बाइक फिसलने से होने वाले हादसों के कई मामले सामने आए हैं, जिससे दोपहिया वाहन चालकों और सवारियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है।

भरत तिवारी एनकाउंटर : मंत्री अशोक चौधरी ने उठाए गंभीर सवाल, कहा- पुलिस ने गलत किया

पटना: बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी ने भरत भूषण तिवारी के एनकाउंटर पर पुलिस की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। अशोक चौधरी ने कहा कि पुलिस की ओर से गलत किया गया है। पुलिस को विषम परिस्थितियों को नियंत्रित करने की ट्रेनिंग दी जाती है। पुलिस इसके लिए नहीं है कि कोई उकसा दे तो गोली चला दे। उन्होंने कहा कि भरत भूषण तिवारी हिस्ट्रीशीटर नहीं थे, वे समाजसेवी थे। हर डीएम और एसपी के यहां उनकी तस्वीरें दिखाई दे रही हैं। जिस वक्त घटना हुई,

हम लोग सोचे कि कोई अपराधी मारा गया है। उन्होंने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि रंगदार और अपराधियों से पुलिस दो-दो हाथ कर सकती है। ऐसा नहीं है कि जिसको मन करे उसी को गोली मार दे। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का केस चलना चाहिए। एनकाउंटर को लेकर नीतीश कुमार के वायरल पुराने वीडियो पर अशोक चौधरी ने कहा कि आत्मरक्षा में गोली चलाई जाती है। ऐसा नहीं है कि पुलिस जाकर किसी को गोली मार देती है।

इस केस में जब उसने सरेंडर कर दिया तब उनके साथ ऐसा क्यों किया गया? अगर भरत तिवारी अपराधी होते तो उनके अंतिम संस्कार में इतनी भीड़ आती क्या? उन्होंने पुलिस पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसा नहीं है कि कानून की जानकार केवल पुलिस है। गलत के साथ हम लोग खड़े नहीं हैं। उनके माता-पिता को कौन देखेगा? वहीं, जेडीयू की बैठक को लेकर मंत्री अशोक चौधरी की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि निशांत कुमार को पार्टी के भविष्य के तौर पर देखा जा रहा है।

कृति सेनन संग राइवलरी की खबरों पर रश्मिका ने तोड़ी चुप्पी...

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आगामी फिल्म कॉकटेल 2 को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। फिल्म में रश्मिका के साथ लीड रोल में शाहिद कपूर और कृति सेनन मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म से ज्यादा लोगों का ध्यान रश्मिका मंदाना और कृति सेनन के बॉन्ड ने खींचा। प्रमोशन के दौरान उनके बीच की बॉन्डिंग देखने लायक थी। उनकी साथ में दोस्ती को देख कई लोग मानने लगे कि फिल्म एक लेस्बियन लव स्टोरी पर बेस्ड होगी। अब फिल्म रिलीज होने के बाद ऐसी चर्चा होने लगी कि कहीं रश्मिका और कृति के बीच राइवलरी तो शुरू नहीं हो गई क्योंकि अक्सर फिल्मी गलियारों में हीरोइनों के बीच राइवलरी की खबरें आती रहती हैं। अब छावा एक्ट्रेस ने इन अफवाहों को मिथक बताकर खारिज किया है। वैरायटी इंडिया को दिए इंटरव्यू में रश्मिका मंदाना ने कहा, ''मुझे लगता है कि यह सोच बहुत पुरानी हो चुकी है और अब इसे पूरी तरह से छोड़ देने का समय आ गया है। क्रित्जू (कृति सेनन) के साथ काम करना बहुत खास रहा है और सच कहूं तो इस फिल्म ने मुझे सबसे ज्यादा एक दोस्त दिया है।'' रश्मिका मंदाना ने आगे कहा, ''मेरा सच में मानना है कि हम सभी के चमकने के लिए दुनिया में काफी जगह है। जब महिलाएं एक-दूसरे का साथ देती हैं, तो सेट का माहौल जादुई हो जाता है। मुझे लगता है कि सच्ची आत्मीयता और बहनों जैसा साथ स्क्रीन पर बहुत खूबसूरती से दिखेगा और हर कोई इसे देख पाएगा।'' होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी फिल्म कॉकटेल 2 ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर अच्छी ओपनिंग की।

श्रद्धा कपूर की फैमिली में दरार !

श्रद्धा कपूर इन दिनों 'ईठा' को लेकर चर्चा में है. इस चर्चा के एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि श्रद्धा और उनकी फैमिली का हर सदस्य अलग-अलग रह रहा है. हालांकि, कपूर फैमिली एक-दूसरे की केयर करते हैं और खास बॉन्ड भी शेयर करते हैं, लेकिन इन सभी ने अपने-अपने पर्सनल स्पेस और प्राइवेसी की व्यवस्था कर ली है. श्रद्धा मुंबई के जुहू इलाके में लग्जीरियस सी-फेस अपार्टमेंट में रह रही हैं. यह अपार्टमेंट पहले ऋतिक रोशन के पास था, जिसे श्रद्धा ने 'स्त्री 2' की सक्सेस के बाद खरीदा और यहां शिफ्ट हो गईं. श्रद्धा कपूर ने अपार्टमेंट को अपने टेस्ट के हिसाब से रीडिजाइन करवाया है. पहले इस अपार्टमेंट में जिम स्पेस ज्यादा था, जिसे श्रद्धा ने कम करवाया. वे ज्यादातर अकेली रहती हैं, हालांकि उनके पेरेंट- शक्ति कपूर और शिवांगी कपूर और राइटर राहुल मोदी अक्सर उनसे मिलने आते रहते हैं. कोविड-19 के बाद कपूर फैमिली के रहन-सहन बदलाव आया है. साल 2020 से पहले चारों सदस्य जुहू के एक बीच-फेसिंग अपार्टमेंट में साथ रहते थे.

हालिया रिलीज "मैं वापस आऊंगा" से एक बार फिर चर्चा में अंजना सुखानी

मुंबई : हाल ही में इम्तियाज अली की फिल्म मैं वापस आऊंगा में नजर आईं अंजना सुखानी ने बताया कि उन्हें यह किरदार कैसे मिला। फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है और इसी बीच अभिनेत्री ने अपने इस खास सफर को याद किया। अंजना कहती हैं, "कितने कलाकार यह कह सकते हैं कि वे इम्तियाज अली की फिल्म का हिस्सा हैं?" उन्होंने बताया कि उनकी शुरुआत एक फोन कॉल से हुई, जिसमें उन्हें इम्तियाज अली से मिलने के लिए बुलाया गया था। "वह मुझे कैमरे पर देखना चाहते थे," अंजना याद करते हुए कहती हैं।

उन्होंने बताया कि सबसे पहले इम्तियाज़ अली ने उनसे एक परिचय वीडियो भेजने के लिए कहा था। "जब मैं उनके ऑफिस में उनसे मिली, तो शायद उन्होंने मुझमें मेहर को देख लिया। उन्होंने मुझे किरदार के बारे में बताया और मेरे मन में कोई सवाल ही नहीं था। मैं इम्तियाज अली को ना कहने वाली कौन होती?" वह हंसते हुए कहती हैं। बातचीत के दौरान अंजना को एहसास हुआ कि उनका किरदार मेहर, जब वी मेट की गीत से काफी मिलता-जुलता है। "गीत की तरह मेहर भी बिना किसी झिझक के अपनी बात कह देती है। मुझे लगता है कि इम्तियाज़ अली के सभी महिला किरदार समझदार होते हैं, लेकिन उनमें एक बचपन जैसी मासूमियत भी होती है।

फिल्म "गदरः एक प्रेम कथा" के 25 साल पूरे होने पर फिल्मकार अनिल शर्मा ने खोला राज

मुंबई : एक्शन फिल्मकार अनिल शर्मा को भारतीय सिनेमा के सबसे मशहूर फिल्ममेकर्स में से एक माना जाता है, जिन्होंने कई ऐसी यादगार फिल्में दी हैं, जिन्होंने पीढ़ी-दर-पीढ़ी दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी है। उनके सबसे आइकॉनिक कामों में से एक है 'गदरः एक प्रेम कथा', जिसमें सनी देओल और अमीषा पटेल लीड रोल में थे। 25 साल पहले रिलीज हुई यह फिल्म एक ऐतिहासिक ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए थे और इसे कल्ट स्टेटस मिला था। अब, जब 'गदरः एक प्रेम कथा' अपनी 25वीं सालगिरह मना रही है, तो अनिल शर्मा ने फिल्म के इस शानदार सफर और इसे बनाने से पहले आई चुनौतियों को याद किया है। अपने करियर के एक मुश्किल दौर को याद करते हुए फिल्ममेकर ने खुलासा किया कि एक प्रोड्यूसर ने उन्हें "इररेलेवेंट (अप्रासंगिक) डायरेक्टर" कहकर अपना चेक वापस ले लिया था। इस बड़े झटके के बावजूद, अनिल शर्मा आगे बढ़े और 'गदरः एक प्रेम कथा' का निर्देशन किया, जिसने बॉक्स ऑफिस का इतिहास ही बदल दिया और भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपनी जगह बना ली। इस पर बात करते हुए अनिल शर्मा ने कहा कि उन्होंने कभी भी एक फिल्ममेकर के तौर पर खुद को प्रासंगिक (रेलेवेंट) साबित करने के लिए 'गदर' नहीं बनाई थी।

"मैं आज तक किसी के सामने खुद को साबित नहीं करना चाहता और उस समय भी नहीं करना चाहता था। जब कोई ऐसी बातें कहता है, तो मुझे हंसी आती है। मुझे इंडस्ट्री की बातों से कोई ठेस नहीं पहुंचती। मेरे लिए बस इतना मायने रखता है कि दर्शकों ने मेरी फिल्म देखी है और उसे पसंद किया है, इसके अलावा और कुछ नहीं।"

"अपने ही बच्चे भाग रहे हैं": संजय निरुपम का संजय राउत पर पलटवार, यूबीटी सांसदों में बगावत के बीच बयान

मुंबई : शिवसेना नेता संजय निरुपम ने सोमवार को शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत की बागी विधायकों की आलोचना का जवाब देते हुए कहा कि एकनाथ शिंदे के गुट में शामिल होने वाले सांसद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व से नाखुश होकर पार्टी छोड़ रहे हैं, न कि किसी लालच में आकर। राउत के इन आरोपों का जवाब देते हुए कि बागी सांसद ''गद्दार'' हैं और उन्होंने पैसे के लिए पाला बदला है, निरुपम ने कहा कि यह पलायन शिवसेना (यूबीटी) के अंदर के संकट को दिखाता है, न कि शिंदे गुट द्वारा विधायकों को लुभाने की कोशिश को।

संजय निरुपम ने कहा, ''असलियत यह है कि उनकी पार्टी अपने ही 'बच्चों' का ख्याल नहीं रख रही है, इसलिए वे 'बच्चे' पार्टी छोड़ रहे हैं। आज हमारे साथ जुड़ने वाले सांसदों की मुख्य शिकायत यह है कि उनका नेतृत्व पूरी तरह से विफल रहा है। वे लोगों से जुड़ते नहीं हैं और सांसदों व विधायकों के फोन का जवाब भी नहीं देते हैं। जाहिर है, सांसद ऐसे नेतृत्व

से निराश होकर पार्टी छोड़ रहे हैं। इसलिए, हमने किसी को छीना नहीं है; उनके अपने ही 'बच्चे' भाग रहे हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि स्थानीय राजनीतिक समीकरण और राजनीतिक अस्तित्व की चिंताएं इस बदलाव का कारण हैं। उन्होंने कहा, ''अगर किसी पार्टी के सांसद या विधायक अपने नेतृ त्व से नाखुश हैं, तो वे निश्चित रूप से पार्टी छोड़ देंगे और ऐसी नई जगह तलाशेंगे जहां उन्हें अपना राजनीतिक भविष्य सुरक्षित लगे; इसीलिए वे यहां आए हैं।'' पैसे के लालच के राउत के बार-बार लगाए जा रहे आरोपों पर निशाना साधते हुए, निरुपम ने राज्यसभा सांसद को अपने दावों को साबित करने की चुनौती दी।

निरुपम ने कहा, ''ऐसी भाषा का इस्तेमाल करके उद्धव गुट अपना असली चेहरा दिखा रहा है। संजय राउत आदतन झूठे हैं। मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वे साबित करें कि किसी सांसद को ठीक कितना पैसा या क्या दिया गया था। वे सिर्फ सनसनी फैलाने के लिए लगातार नए आंकड़े गढ़ते रहते हैं। सच तो यह है कि ये सांसद इसलिए पार्टी छोड़ रहे हैं क्योंकि वे नेतृत्व से नाखुश हैं और अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्य करना चाहते हैं।'' ये टिप्पणियां तब आईं जब राउत ने धाराशिव के सांसद ओमराजे निंबालकर सहित बागी सांसदों को ''गद्दार'' करार दिया और आरोप लगाया कि पाला बदलने की प्रक्रिया में भारी मात्रा में पैसे का लेन-देन हुआ है।

मुंबई : कस्टम्स का बड़ा एक्शन... बैंकॉक से ड्रग्स तस्करी में यात्री गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई कस्टम्स ने बैंकॉक से मुंबई पहुंचे एक यात्री को करोड़ों रुपए मूल्य की मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से करीब 2.27 करोड़ रुपए मूल्य की हाइड्रोपोनिक वीड (कैनबिस) बरामद की गई है। कस्टम्स अधिकारियों के अनुसार, विशेष खुफिया सूचना के आधार पर छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बैंकॉक से आए एक यात्री बल धारी मान (42), निवासी दिल्ली को रोका गया। इसके बाद यात्री के सामान की तलाशी ली गई। जांच के दौरान

उसके ट्रॉली बैग में कपड़ों के बीच तीन संदिग्ध पैकेट मिले। जब इन पैकेटों को काटकर खोला गया तो उनमें पौधे के फलदार और फूल वाले हिस्से भरे हुए पाए गए, जिन्हें हाइड्रोपोनिक वीड (कैनबिस) माना जा रहा है।

कस्टम्स अधिकारियों ने जब्त सामग्री का वजन किया, जिसमें कुल 2,272 ग्राम हाइड्रोपोनिक वीड बरामद हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत 2.27 करोड़ रुपए आंकी गई है। मुंबई कस्टम्स के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी प्रतिबंधित मादक पदार्थ को भारत में तस्करी कर लाने के बदले मोटी रकम हासिल कर रहा था। कस्टम्स ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले में आगे की जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। इसी महीने, छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग ने ड्रग्स तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बैंकॉक से आई 28 वर्षीय महिला यात्री को गिरफ्तार किया।

''मैं कोई काम अधूरा नहीं छोड़ता, 'ऑपरेशन टाइगर' सफल रहा'' – एकनाथ शिंदे

मुंबई : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को कहा कि वह कोई भी काम अधूरा नहीं छोड़ते और ''ऑपरेशन टाइगर सफल रहा है''। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के छह सांसदों के शिवसेना में शामिल होने के मौके पर प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा कि इन सांसदों को संविधान, पार्टी के नियमों और संसदीय प्रक्रियाओं के अनुसार पार्टी में शामिल किया गया है। शिंदे ने कहा, ''मैं पत्रकारों से भी कहना चाहता हूं कि 'ऑपरेशन टाइगर' वगैरह के बारे में आप जो भी खबरें चला रहे थे, मैंने कल भी कहा था कि मैं कोई काम अधूरा नहीं छोड़ता। और आज यह सब आपके सामने है। यह 'ऑपरेशन टाइगर' आपके सामने सफल हुआ है। इन सभी छह सांसदों को नियमों, संविधान और संसदीय प्रक्रियाओं के अनुसार हमारी पार्टी में शामिल किया गया है।'' उन्होंने आगे कहा, ''जब मैं मुख्यमंत्री था, तब भी मैंने एक कार्यकर्ता की तरह व्यवहार किया और आज भी मैं एक कार्यकर्ता की तरह ही काम करता हूं। मैं इन सभी 6 सांसदों से कहना चाहता हूं कि उन्हें भी आम कार्यकताओं की तरह व्यवहार करना होगा और हम उनके साथ भी सभी का सम्मान करेंगे। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि हमारे साथ आने का आपका

भरोसा कायम रहेगा। मैं व्यक्तिगत रूप से आपको यह आश्वासन देता हूं। हमारे मंत्री आपके साथ बैठकर आपके निर्वाचन क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान करेंगे। मैं केंद्र स्तर पर भी आपकी समस्याओं को हल करने की पहल करूंगा।'' उन्होंने कहा कि लोग शिवसेना के विकास-उन्मुख एजेंडे के कारण पार्टी से जुड़ रहे हैं।

शिवसेना प्रमुख ने कहा, ''हमारे लिए विचारधारा महत्वपूर्ण है; जिन्होंने विचारधारा छोड़ी, उन्हें मतदाताओं ने नकार दिया। महाराष्ट्र में हमारी संस्कृति और विचारधारा अलग है। और हम प्रगतिशील सोच वाले लोग हैं। इसीलिए लोग हमारे विकास के एजेंडे के कारण हमारे साथ आ रहे हैं।'' शिंदे ने आगे कहा, ''2022 में हमने जो भी फैसला लिया, लोगों ने उसे स्वीकार किया। उसके बाद हम जनता की अदालत में गए और चुनावों में लोगों ने हमें मंजूरी दी। जब हमने बगावत की थी, तब हमारे पास 40 विधायक थे, लेकिन बाद में चुनावों में हमारी संख्या 40 से बढ़कर 60 हो गई।''

मुंबई: 15 साल की नाबालिग के साथ दुष्कर्म, दो आरोपी गिरफ्तार

मुंबई: सटे थाणे से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। एक 15 साल की लड़की के साथ दुराचार करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पड़ोसियों की सतर्कता से बच्ची की जान बच सकी और दोनों आरोपियों को पुलिस के हवाले कर दिया गया। मामला ठाणे के कल्याण इलाके का है। दो आरोपियों पर आरोप है कि वह एक 15 साल की नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर अपने घर ले गए और फिर उसके साथ रेप किया। पड़ोसियों ने जब बच्ची के रोने की आवाज सुनी तो उन्होंने पुलिस को इसकी जानकारी दी।

मुंबई : सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर नाजिया इलाही खान पर एफआईआर...

मुंबई : सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर नाजिया इलाही खान के खिलाफ महाराष्ट्र में दो अलग-अलग थानों में शिकायतें दर्ज की गई हैं। आरोप है कि उनके एक बयान से मुस्लिम धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। जानकारी के अनुसार, भिवंडी के शांतिनगर पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। यह मामला कथित तौर पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले सोशल मीडिया बयान से जुड़ा है।

इसी बीच, मुंबई के पायधुनी

पुलिस स्टेशन में भी रजा अकादमी के सदस्यों ने शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि नाजिया इलाही खान ने पैगंबर से जुड़े कथित आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं, जिससे समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं। संगठन ने पुलिस से इस मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई और तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायतों की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सोशल मीडिया पोस्ट और बयान की तकनीकी जांच भी की जा रही है, ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि टिप्पणियों की प्रकृति क्या थी और क्या वे कानून के दायरे में आती हैं। इस घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी है। फिलहाल दोनों थानों की टीमें मामले की जांच में जुटी हुई हैं।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com